गुजरात राज्य का 56वां स्थापना दिवस

1 मई, 2016, छोटाउदेपुर

गुजरात राज्य के गठन को लगभग साढ़ पाच दशक हो गये हैं। इस अवधि मे गुजरात राज्य की गणना भारत के विकसित राज्यो मे होने लगी है और गुजरात का विकास माडल अन्य राज्यो के लिए अनुकरणीय बन गया है।

गुजरात की विकास गाथा के मूल मे अनेक प्रेरक व्यक्तित्व रहे है। इनमे अध्यात्मिक क्षेत्र, राजनीतिक क्षेत्र, सामाजिक क्षेत्र और उद्योग-व्यवसाय और विज्ञान आदि विभिन्न क्षेत्रो से जुड़ो हस्तिया है। महात्मा गाधो और सरदार पटेल सरीखी हस्तियो से तो देश का बच्चा-बच्चा वाकिफ़ है लेकिन इनके अतिरिक्त नरसी मेहता, स्वामी दयानद, श्यामजी कृष्ण वर्मा, विक्रम साराभाई जैसे विभिन्न व्यक्तित्व भी गुजरात के जनमानस को प्रेरित करते रहे है।

गुजरात मज़बूत सहकारिता आदोलन, सुदृढ़ पचायती राजव्यवस्था और लोकहितकारी भावना (Philanthropic Spirit) के लिए जाना जाता है। गुजरात और उद्यमशीलता पर्यायवाची बन गये है। उद्यमी गुजराती बेहिचक विदेशो का प्रवास करते है और बड़ो सख्या मे वहा बसे हुए है, लेकिन उनका अपने प्रदेश के प्रति अनुराग बराबर बना रहता है और वे साधारणतया वर्ष मे एकाध बार गुजरात लौट आते हैं। गुजरात मे महाजनी परपरा है। समाज के अग्रणी जन अपनी जाति

और गुजराती समाज के लिए मुक्त हस्त से दान देते है। गाधोजी का टस्टीशिप का सिद्धात गुजराती चेतना का अग बन गया है। अलग-अलग क्षेत्रों मे टस्टो के माध्यम से नानाविध गतिविधिया चलती है।

गुजरात उत्सवप्रिय प्रदेश है। गरबा और दाडिया तो प्रसिद्ध है ही, गुजरात का पतगोत्सव भी यहा के समाज के रजन का उत्सव है।

गुजरात ने देश को मोरारजी देसाई और नरेन्द्र मोदी के रूप मे दो-दो प्रधानमत्री दिये है।

गुजरात का आदिवासी समाज पूरे गुजराती समाज का महत्वपूर्ण अग है। लगभग 13-14 जिले आदिवासी जिले है। आदिवासियो के शौर्य और पराक्रम की अनेक गाथाए प्रचलित है। डाग राज्य ने ब्रिटिश दासता स्वीकार नही की थी। विवश होकर अग्रेजो को डाग राजाओ से सधि करनी पड़ो थी। मानगढ़ को दूसरा जालियावाला बाग कहा जा सकता है।मानगढ़ एक ओर आदिवासी शौर्य का प्रतीक है तो दूसरी ओर ब्रिटिश क्रूरता का।

गुजरात की वर्तमान मुख्यमत्री गतिशील गुजरात की प्रणेता के रूप मे जानी जाती है। विभिन्न विकास योजनाओ के माध्यम से वह राज्य को विकास के पथ पर तेज़ो से बढ़ाने के काम मे लगी है। महिलाओ, युवाओ, आदिवासियो और किसानो के कल्याण की अनेक योजनाए राज्यमे लागू है।

गुजरात का प्रशासन सूचना और सचार प्रौद्योगिकी (ICT) का भरपूर

प्रयोग करता है। फलस्वरूप प्रशासन और जनता के बीच सवादिता बनी रहती है। विकास माडल के समान ही गुजरात प्रदेश अपने Governance Model के लिए भी जाना जाता है। लोगो की समस्याओ के निवारण के लिए राज्य सरकार और राज्य प्रशासन कुशल भी है और सवेदनशील भी।

गुजरात के 56वे स्थापना दिवस के अवसर पर छोटाउदेपुर मे आयोजित गौरव दिवस के कार्यक्रम के अवसर पर राज्य सरकार ने जिले के विकास की अनेक योजनाए घोषित की है।

कार्यक्रम के अत मे सास्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से आदिवासी समाज की रूढ़ियो और परपराओ से बाहर निकलने और आधनिक बनने की झाकी प्रस्तुत की गई।